छत्तीसगढ़ शासन

सत्यमेव जयते

स्कूल रेडीनेस

विद्या आनंद

(मजा मजा म सिखबो)

तीन माह का खेल आधारित शाला तैयारी

(कक्षा-1 के बच्चों के लिए)

शिक्षकों हेतु दिशा-निर्देश

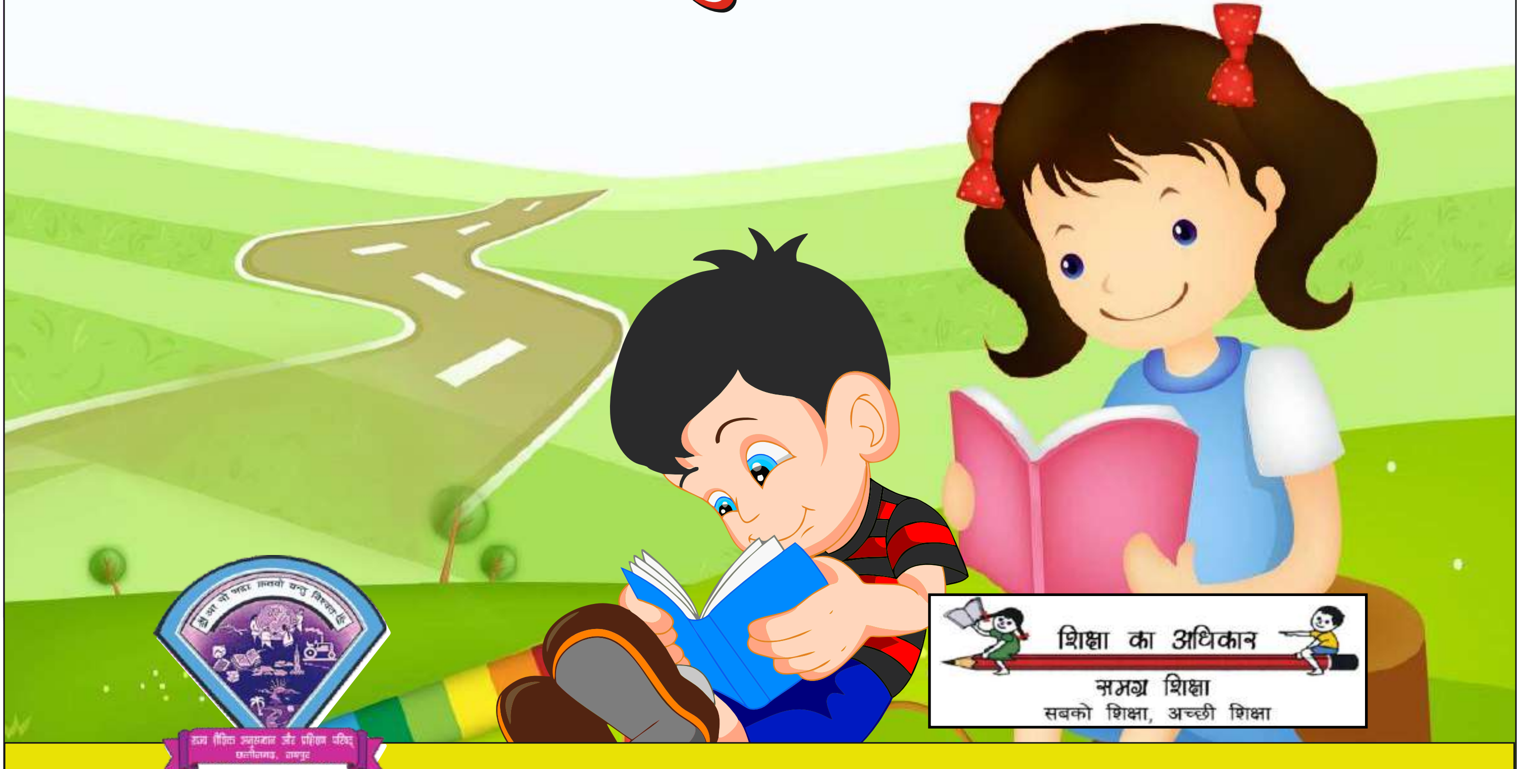

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों के लिए दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत निपुण भारत मिशन के दिशा-निर्देश तथा **NCERT** के 'विद्या प्रवेश' तीन महीने के खेल आधारित स्कूल तैयारी माड्यूल के आधार पर यह दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। 'स्कूल रेडीनेस' तीन माह का खेल आधारित शाला तैयारी कार्यक्रम कक्षा-1 में सत्र के शुरुआती 12 सप्ताहों में चलाया जायेगा जिसमें कक्षा-1 में प्रवेश करने वाले सभी बच्चों के सीखने के अवसर को सप्ताह में छह दिन, दिन में चार घंटे संचालित किया जायेगा। हालांकि प्रति दिन चार घंटे के कार्यक्रम की समय सीमा आसान होती है और शिक्षक आवश्यकता के अनुसार समय सीमा को कम या बढ़ा सकते हैं। शनिवार को चलने वाले स्कूलों में शिक्षक द्वारा की गई गतिविधियों का पुनर्व्यवस्था कर सकते हैं, अगले सप्ताह की योजना भी बना सकते हैं और इसके द्वारा बच्चों के साथ 'स्कूल की तैयारी' से जुड़े कौशलों के विकास पर कार्य किया जायेगा।

इस कार्यक्रम में प्रत्येक दिन दैनिक शिक्षण में निम्नलिखित गतिविधियों को किया जाना है -

1. सर्कल टाइम- कक्षा एक के बच्चों के दिन की शुरुआत इसी भाग की गतिविधि से होगी। इस भाग में मुख्य रूप से बच्चों को सहज करना, उनका स्वागत करना, उन्हें मुक्त बातचीत के अवसर देना, व्यायाम, स्वास्थ्य जांच आदि शामिल है। मॉर्निंग सर्कल टाइम के बेहतर क्रियान्वयन से बच्चे दिनभर की गतिविधियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे।

2. स्वतंत्र खेल- सर्कल टाइम के तुरंत बाद स्वतंत्र खेल की गतिविधियां शुरू होंगी। स्वतंत्र खेल की गतिविधियां शिक्षक की उपस्थिति में कक्षा कक्ष के अंदर कराई जाएगी। इसके लिए कक्षा के अलग-अलग भागों में निर्माण/ जोड़-तोड़, कलाकारी /कहानी आदि के कोने बनाकर बच्चों से उनके मन के अनुसार खेलने का स्वतंत्र अवसर दिया जाएगा। शिक्षक स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए गतिविधियों का पर कार्य करेंगे।

3.भाषा और साक्षरता- इस भाग में मौखिक भाषा विकास, ध्वनि जागरूकता, सामाजिक और भावनात्मक विकास, लोगोंग्राफिक पठन और लेखन जैसी रचनाओं पर काम किया जाएगा। इसमें बच्चों के उभरते लेखन अभिव्यक्ति कौशल, मांसपेशियों के विकास और मनः प्रेरक कौशल (**Psychomotor Skill**) के विकास पर कार्य किया जाएगा।

4. गणित, पर्यावरण, वैज्ञानिक सोच- इस भाग में गणित की बुनियादी दक्षता पर कार्य के साथ-साथ आसपास के परिवेश की जानकारी भी बच्चों को दी जाएगी।

5. बाहरी खेल- बच्चों में टीम भावना, मनोरंजन, अभिव्यक्ति आदि के विकास के लिए बाहरी खेल कराएँ जाएंगे।

6. अलविदा समय- इस भाग में दिनभर की गतिविधियों की पुनरावृत्ति, अगले दिन के काम की योजना बनाने, सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग-अलग पहलुओं पर काम किया जाएगा।

दैनिक समय सारिणी चार्ट

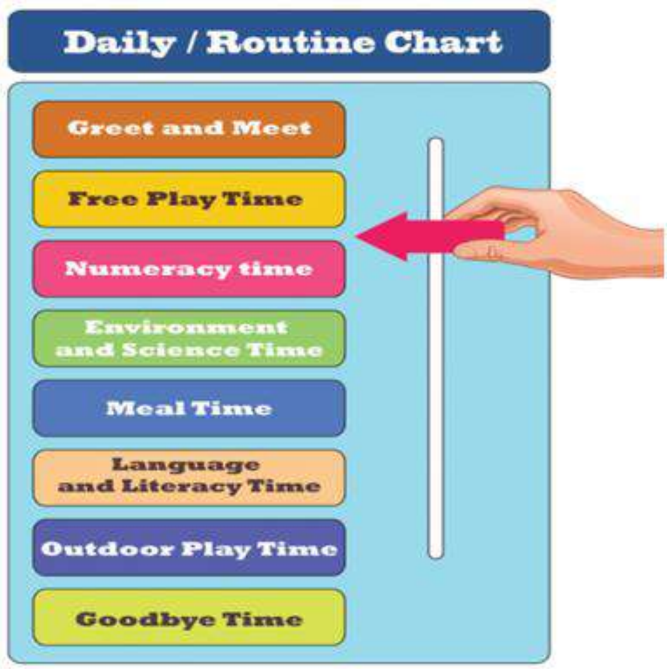

- बच्चों को विद्यालय में आते ही सहज होने का मौका दें और खेल आधारित गतिविधियों को करवाएं।
- बच्चों को तीनों विकासात्मक लक्ष्यों और सीखने के प्रतिफल के आधार पर बच्चों को गतिविधियाँ और अभ्यास कार्य करवाएं तथा उनका आवश्यकतानुसार सहयोग करें।
- प्रत्येक अभ्यास कार्य बच्चे खेल-खेल में करें तथा उन्हें ऐसा वातावरण दें कि उन्हें आनंद की प्राप्ति हो और वे खेल-खेल में सीख सके। कक्षा में शिक्षक खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से सभी बच्चों को सम्मलित करते हुए कार्य करें।
- कक्षा में बच्चों के घर की भाषा का उपयोग के अवसर दें। कविता/कहानी आदि सुनाते समय बच्चों के घर की भाषा का उपयोग करें। साथ ही कविता/ कहानी अभिनय के साथ बच्चों को सुनाएं और अभ्यास कार्य करवाएं। बच्चे को अपनी भाषा में बात करने, प्रतिक्रिया देने और संवाद करने की छूट मिलाना चाहिए।

बच्चों की सीखने-सिखाने के क्रियाकलापों में सभी बच्चों की भागीदारी जरूरी हैं। अतः कक्षा में कार्य के दौरान ध्यान रखें कि हर बच्चा सक्रिय रूप से भाग ले रहा है, प्रश्न पूछता है, जवाब देता है आदि। इसके लिए बच्चों से नाम लेकर पूछना, कागज़ की गेंद फेंककर देना आदि तरीके आपकी मदद कर सकते हैं।

विकास के लक्ष्य

विकास के लक्ष्य 1- बच्चों का अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली को बनाए रखना, शारीरिक और मानसिक, सामाजिक भावनात्मक विकास, पोषण सुरक्षा, स्वच्छता और स्वच्छता के लिए अनुभव प्रदान करना।

विकास के लक्ष्य 2- बच्चों का प्रभावशाली सम्प्रेषक बनना। भाषा और साक्षरता की नींव तैयार करना।

विकास के लक्ष्य 3- बच्चों का सीखने के प्रति उत्साह प्रदर्शित करना और अपने आसपास के परिवेश से जुड़ना। शुरूआती संख्याओं को सीखना व भौतिक, सामाजिक और प्राकृतिक वातावरण के साथ प्रत्यक्ष अनुभव से बातचीत करना।

विकासात्मक लक्ष्य 1 **CHILDREN MAINTAIN GOOD HEALTH AND WELL-BEING(H.W.)** बच्चों का अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली को बनाए रखना (एच.डबल्यू.)	
प्रमुख योग्यताएँ	सीखने के प्रतिफल
♦ स्वयं के प्रति जागरूकता ♦ सकारात्मक आत्म-अवधारणा का विकास ♦ स्व-नियमन ♦ निर्णय लेना और समस्या समाधान ♦ समर्थक सामाजिक व्यवहार का विकास ♦ स्वस्थ	एच.डबल्यू.3.1: शारीरिक विशेषताओं, लिंग, रुचियों, पसंद और नापसंद के संदर्भ में स्वयं और दूसरों का वर्णन करता है।
	एच.डबल्यू.3.2: विस्तारित परिवार के सदस्यों के साथ संबंधों की समझ को प्रदर्शित करता है।
	एच.डबल्यू.3.3: स्वछंद गतिविधियों का प्रदर्शित करना।
	एच.डबल्यू.3.4: एक ही समय में निर्देशों और आसान नियमों का पालन करता है।
	एच.डबल्यू.3.5: रूटीन/दैनिक शेड्यूल में किसी भी बदलाव के लिए अनुकूलन क्षमता दिखाता है।
	एच.डबल्यू.3.6: दूसरों द्वारा सौंपे गए कार्यों/विषयों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
	एच.डबल्यू.3.7: मौखिक और गैर-मौखिक मोड (हावभाव, चित्र) के माध्यम से भावनाओं को व्यक्त करता है।
	एच.डबल्यू.3.8: जिम्मेदारी लेता है और अपनी पसंद और रुचियों के आधार पर चुनाव करता है।
	एच.डबल्यू.3.9: संघर्षों का समाधान सुझाता है और उम्र के अनुकूल समायोजन करता है।

आदतों का विकास, स्वच्छता, स्वच्छता और आत्मरक्षा के लिए जागरूकता ♦ स्थूल गत्यात्मक कौशल का विकास ♦ सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल और आँख-हाथ समन्वय का विकास ♦ व्यक्तिगत और टीम खेलों और खेलों में भागीदारी	एच.डबल्यू.3.10: बातचीत और खेल के दौरान दूसरों के विचारों को शामिल करने की इच्छा प्रदर्शित करता है।
	एच.डबल्यू.3.11: बड़े और छोटे समूह की गतिविधियों के दौरान जरूरतमंद साथियों की मदद करता है।
	एच.डबल्यू.3.12: विशेष आवश्यकता वाले बच्चों सहित विविध पृष्ठभूमि के बच्चों के प्रति संवेदनशीलता और स्वीकार्यता प्रदर्शित करता है।
	एच.डबल्यू.3.13: बुनियादी स्वास्थ्य, स्वच्छता, स्वच्छता प्रथाओं, और स्वस्थ खाने की प्रथाओं को अधिक स्वतंत्रता के साथ बनाएँ रखता है और प्रदर्शित करता है।
	एच.डबल्यू.3.14: गुड टच और बैड टच के बारे में जागरूकता प्रदर्शित करता है और अजनबियों से दूरी बनाएँ रखता है।
	एच.डबल्यू.3.15: घर, प्री-स्कूल और खेल के मैदान में सुरक्षा के बुनियादी नियमों का पालन करता है।
	एच.डबल्यू.3.16: अधिक समन्वय, नियंत्रण और शक्ति के साथ स्थूल गत्यात्मक कौशल (**Gross Motor Skill**) प्रदर्शित करता है; जैसे- दौड़ना, कूदना, फेंकना, लात मारना और पकड़ना आदि।
	एच.डब्ल्यू.3.17: स्थान की खोज करता है और संगीत और गतिविधियों में सक्रिय और रचनात्मक रूप से भाग लेता है।
	एच.डब्ल्यू.3.18 **a**: सटीक और नियंत्रण के साथ सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल (**Fine motor skill**) प्रदर्शित करता है।
	एच.डब्ल्यू.3.18 **b**: जटिल कार्यों को पूरा करने के लिए समन्वित गति का उपयोग करता है जैसे कि एक लाइन के साथ काटना, डालना, बटन लगाना आदि।
	एच.डब्ल्यू.3.18 **c**: ड्राइंग, पेंटिंग और लिखने के लिए टूल को पकड़ने और हेरफेर करने के लिए पिंसर ग्रिप (किसी वस्तु को पकड़ने के लिए तर्जनी और अंगूठे का समन्वय) का उपयोग करता है।

विकासात्मक लक्ष्य II

CHILDREN BECOME EFFECTIVE COMMUNICATORS (EC)

बच्चों का प्रभावशाली सम्प्रेषक बनना। (ई.सी.)

प्रमुख योग्यताएँ	सीखने के प्रतिफल प्रथम भाषा
सुनना और बातचीत करना ♦ समझ के साथ सुनना ♦ रचनात्मक आत्म अभिव्यक्ति और बातचीत ♦ भाषा और रचनात्मक सोच ♦ शब्दावली विकास ♦ बातचीत और बात करने का कौशल ♦ भाषा का सार्थक उपयोग **समझना और पढ़ना** ♦ किताबों से जुड़ना ♦ चित्र जागरूकता और अर्थ बनाना ♦ पढ़ने का नाटक करें ♦ ध्वन्यात्मक जागरूकता ♦ ध्वनि प्रतीक ♦ पिछले अनुभवों और ज्ञान की भविष्यवाणी और उपयोग आनंद और विभिन्न उद्देश्यों के लिए स्वतंत्र पठन **लेखन का उद्देश्य** ♦ प्रारंभिक साक्षरता कौशल ♦ आत्म अभिव्यक्ति	**ई.सी.एल1.3.1:** स्कूल और घर में अपरिचित शिक्षकों, नए दोस्तों, स्कूल स्टाफ, अन्य वयस्कों, आदि के साथ उनकी अपनी भाषा में बातचीत में शामिल होता है।
	ई.सी.एल1.3.2: पठन/पाठन क्षेत्र से पुस्तक का चयन करता है और चित्रों की मदद से कहानी को समझने का प्रयास करता है और लिखित पाठ की भविष्यवाणी कर सकता है।
	ई.सी.एल1.3.3: कविताओं/कहानियों को पढ़ने के अपने अनुभवों को उनकी अपनी भाषा में व्यक्त करता है और इसके बारे में बात करता है और दोस्तों के साथ साझा करता है।
	ई.सी.एल1.3.4: (ए) अपनी भाषा में दिलचस्प कविताओं / गीतों का पाठ करते समय उचित स्वर और आवाज के मॉड्यूलेशन का उपयोग करता है। ईसीएल1 **3.4:** (बी) उपयुक्त के साथ धाराप्रवाह पाठ करता है। परिचित कविताओं के अंश उनकी अपनी भाषा में।
	ई.सी.एल1.3.5: (अ) कहानी सुनाने के लिए शिक्षक को उनकी पसंदीदा कहानी की किताबें देता है। **ई.सी.एल1.3.5:** (बी) चित्रों में वस्तुओं को ध्यान से देखता है और उनके बारे में बात करता है और आविष्कार की गई वर्तनी का उपयोग करके उनका नाम लिखता है।
	ई.सी.एल1.3.6: (ए) प्रिंट जागरूकता की समझ के साथ पढ़ता है। **ई.सी.एल1.3.6:** (बी) घटनाओं के क्रम में चित्रों को समझ और व्यवस्थित करके कहानी पढ़ता है।
	ई.सी.एल1.3.7: परिचित कहानियों और कविताओं में आने वाले शब्दों में दोहराई जाने वाली ध्वनियों की पहचान करता है।
	ई.सी.एल1.3.8: (ए) कहानियों, कविताओं और गीतों में दोहराई जाने वाली ध्वनियों, शब्दों आदि की पहचान करता है। **ई.सी.एल1.3.8:** (बी) चित्रों और प्रिंट, पिछले अनुभव और जानकारी, पत्र, ध्वनि, आदि की सहायता से लिखित पाठ के बारे में भविष्यवाणी करता है।

<table>
<tr><td rowspan="17">के लिए लेखन
♦ अक्षर और ध्वनियों के उनके ज्ञान का उपयोग करें।
♦ लिखने के लिए वर्तनी का आविष्कार करें।
♦ परंपरागत तरीके से लिखने का प्रयास करें।
♦ चित्र, शब्दों और अर्थपूर्ण वाक्यों के साथ पढ़ने की प्रतिक्रिया
♦ तुकबंदी वाले शब्दों का लेखन
♦ नामकरण शब्दों का प्रयोग करते हुए सार्थक वाक्य लिखिए।
♦ और क्रिया शब्द
♦ खुद को व्यक्त करने के लिए संदेश लिखें।
♦ मिश्रित भाषा कोड का उपयोग करना।
कक्षा की गतिविधियों और घर पर विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखें, जैसे सूचियाँ बनाना, दादा-दादी को अभिवादन, संदेश और दोस्तों को निमंत्रण लिखना आदि।</td><td>ई.सी.एल1.3.9: स्वयं का नाम, अपने दोस्तों के नाम और उनके आसपास की वस्तुओं को लिखने (आविष्कृत वर्तनी) में रुचि लेता है।</td></tr>
<tr><td>द्वितीय भाषा</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.1: द्विभाषी रूप में अपना परिचय देता है।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.2: एक्शन के साथ गाने या तुकबंदी गाता है।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.3: पठन क्षेत्र में द्विभाषी कार्य के पृष्ठों को पलटना।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.4: परिचित शब्दों और अभिव्यक्ति का उपयोग करके प्रतिक्रिया देने का प्रयास।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.5: ध्वनियों, अक्षरों की पहचान करना</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.6:परिचित संकेतों को पढ़ने का प्रयास।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.7: चित्रों की मदद से कहानी की भविष्यवाणी करना।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.8: कहानी के साझा पठन में भाग लेता है।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.9: उसके पसंदीदा खिलौने के बारे में बात करता है।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.10: निरर्थक तुकबंदी वाले शब्दों का आनंद लेना और बनाना।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.11: कुछ परिचित शब्दों को लिखाने/लिखने का प्रयास।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.12: वस्तुओं को उनके तत्काल वातावरण में पहचानना।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.13: उम्र के हिसाब से कार्टून और फिल्में देखने में मजा आता है।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.14: पक्षियों, जानवरों और पेड़ों के लिए भावनाओं को साझा करता है।</td></tr>
<tr><td>ई.सी.एल2-3.15: संदेशों को संप्रेषित करने के लिए चित्र बनाता है।</td></tr>
</table>

विकासात्मक लक्ष्य III

CHILDREN BECOME INVOLVED LEARNERS AND CONNECT WITH THEIR IMMEDIATE ENVIRONMENT (IL)

बच्चों का सीखने के प्रति उत्साह प्रदर्शित करना और अपने आसपास के परिवेश से जुड़ना।

प्रमुख योग्यताएँ	सीखने के प्रतिफल
संवेदनाओ का विकास ♦ दृष्टि ♦ ध्वनि ♦ स्पर्श ♦ गंध ♦ स्वाद संज्ञानात्मक ज्ञान ♦ प्रेक्षण ♦ पहचान ♦ स्मृति ♦ मिलान ♦ वर्गीकरण ♦ पैटर्न ♦ अनुक्रमिक सोच ♦ रचनात्मक सोच ♦ आलोचनात्मक सोच ♦ समस्या का समाधान ♦ तर्क ♦ जिज्ञासा ♦ प्रयोग ♦ अन्वेषण पर्यावरण से संबंधित अवधारणाएँ ♦ प्राकृतिक-जानवर, फल, सब्जियाँ, आदि। भौतिक—जल, ♦ वायु, ऋतु, सूर्य, चन्द्र, दिन और रात सामाजिक- मैं, परिवार, परिवहन, त्योहार, सामुदायिक सहायक, आदि।	आई.एल.3.1: पर्यावरण का निरीक्षण और अन्वेषण करने के लिए सभी इंद्रियों का उपयोग करता है।
	आई.एल.3.2: तत्काल वातावरण में सामान्य वस्तुओं, ध्वनियों, लोगों, चित्रों, जानवरों, पक्षियों के बारीक विवरणों को नोटिस और उनका वर्णन करता है।
	आई.एल.3.3: (ए) एक बार में देखी गई 4-5 वस्तुओं को याद करता है और याद करता है। आईएल 3.3: (बी) परिचित वस्तु की तस्वीर के 3-5 लापता हिस्सों की पहचान करता है।
	आई.एल.3.4: दो समूहों की 5-6 वस्तुओं को एक के बाद एक पत्राचार में रखता है।
	आई.एल.3.5: आकार, रंग और आकार इत्यादि जैसे तीन कारकों द्वारा वस्तुओं की तुलना और वर्गीकरण करता है। वस्तुओं के स्थान का वर्णन करने के लिए स्थिति शब्दों (बगल, अंदर, नीचे) का सही ढंग से उपयोग करता है।
	आई.एल.3.6: 4-5 चित्र कार्ड/वस्तुओं को क्रम में व्यवस्थित करता है, उदाहरण के लिए, आकार और घटना।
	आई.एल.3.7: जब एक कहानी सुनाई जाती है, तो समय से संबंधित घटनाओं को समझ सकते हैं जैसे- पहले क्या हुआ? या रात को कौन आया? आदि।
	आई.एल.3.8: (ए) कारणों के साथ सरल समस्या समाधान स्थितियों का समाधान प्रदान करता है।

<table>
<tr>
<td rowspan="6">मनको का निर्माण करना
♦ रंग
♦ आकार, दूरी
♦ मापन
♦ आकार
♦ लंबाई
♦ वजन
♦ ऊंचाई
♦ समय
♦ स्थानिक भाव
♦ एक-एक की संगति
संख्यात्मक पहचान
♦ गिनें और बताएँ कि कितने है।
♦ अंक पहचान
♦ आदेश की भावना (10 तक की संख्या के आगे गिनती कर सकते हैं।)
अंकों को व्यवस्थित करना प्रत्येक दिन की दिनचर्या</td>
<td>आई.एल.3.8: (बी) पर्यावरण में वस्तुओं की जांच और हेरफेर करने में संलग्न है, प्रश्न पूछता है, पूछताछ करता है, खोजता है और अपने स्वयं के विचारों और भविष्यवाणियों का निर्माण करता है।
आई.एल.3.8: (सी) पर्यावरण संबंधी चिंताओं के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता प्रदर्शित करता है, उदाहरण के लिए, पानी बर्बाद न करें, उपयोग में न होने पर रोशनी स्विच आफ करना इत्यादि।</td>
</tr>
<tr>
<td>आई.एल.3.9: 10 वस्तुओं तक की गणना करता है।</td>
</tr>
<tr>
<td>आई.एल.3.10: किसी विशेष संख्या से 9 तक आगे और पीछे की गिनती कर सकते हैं।</td>
</tr>
<tr>
<td>आई.एल.3.11: अंकों के साथ अंकों की पहचान करता है और 9 तक अंक लिख सकता है।</td>
</tr>
<tr>
<td>आई.एल.3.12: यह जागरूकता को प्रदर्शित करता है कि कई चीजें संख्या में कम हो जाती हैं या शून्य हो जाती हैं, (उदाहरण के लिए पेड़ की एक शाखा पर बैठे 3 पक्षी एक-एक करके अंत में उड़ जाते हैं, शाखा पर कोई पक्षी नहीं बचता है।)</td>
</tr>
<tr>
<td>आई.एल.3.13: 10 तक की दो संख्याओं की तुलना करता है और इससे अधिक, से कम जैसी शब्दावली का उपयोग करता है।</td>
</tr>
</table>

दैनिक समय सारिणी

सत्र का नाम	अभिवादन समय 30 मिनट	स्वत्रंत/मुक्त खेल (छोटे समूह) 30 मिनट	संख्यात्मक एवं पर्यावरण जागरूकता 30-35 मिनट	रचनात्मक एवं कलात्मक गतिविधियाँ 30-35 मिनट		भाषा एवं साक्षरता कौशल 30-35 मिनट	बाह्य शारीरिक खेल 30-35 मिनट	अलविदा समय 30 मिनट
सोमवार	स्वागत- हाथ मिलाकर/बच्चों से बातचीत कर/सामान्य दिनचर्या के प्रश्न पूछकर स्वच्छता जाँच- बाल, नाख़ून, कपड़ों की स्वच्छता, स्वच्छ दिखने वाले बच्चों के लिए ताली बजवाना स्फूर्तिदायक क्रियाएँ, (गतिविधि - शेर जी-शेर जी, अंदर कूदो बाहर कूदो, रुमाल झपट्टा, प्यारी पुसी) टीप – शिक्षक बच्चों की रूचि एवं स्थानीय सामग्री की उपलब्धता के आधार पर अन्य गतिविधियाँ करवा सकते हैं।	खेल में सहभागिता – खेल कोना, भाषा कोना, रचनात्मक कोना, संख्यात्मक एवं पर्यावरण कोना	दृष्टी बोध पेंसिल फिराओ और रंग भरो, घटना का क्रम बताओ।	बच्चों के द्वारा कागज से नाव, हवाई जहाज, कागज के फूल (पेपर क्राफ्ट), देखो और पूरा करो।	भोजन अवकाश 30 मिनट	चित्रों पर बातचीत, मेले की सैर और कविता कहानी का उपयोग (शिक्षक अपने अनुभव का उपयोग करें)	रस्सा खींच, खो-खो, मैदान में दौड़ना, कूदना	• शिक्षक को बच्चों को अगले दिवस की गतिविधियों के लिए तैयार करना चाहिए| • शिक्षक को बच्चों से उस दिन की गई गतिविधियों को फिर से याद करने में मदद करनी चाहिए| • स्व-नियमन की जानकारी दी जानी चाहिए, जैसे- क़तार में खड़े हो जाओ, निश्चित दूरी पर खड़े हो, घेरा बनाओ आदि| • बच्चों ने उस दिन क्या किए उसे माता-पिता (अभिभावक) के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें|

साप्ताहिक समय सारिणी

सत्र का नाम	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरूवार	शुक्रवार	शनिवार
-स्वागत एवं अभिवादन -स्वच्छता जाँच 30 मिनट	स्वागत- हाथ मिलाकर/बच्चों से बातचीत कर/सामान्य दिनचर्या के प्रश्न पूछकर स्वच्छता जाँच- बाल, नाख़ून, कपड़ों की स्वच्छता, स्वच्छ दिखने वाले बच्चों के लिए ताली बजवाना					पालकों से संपर्क बाग-बगीचों के काम, व्यायाम, स्वच्छता पर बातचीत, बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए अवसर तैयार करना, समय-समय पर बच्चों को पुरस्कृत करना, सप्ताह भर की गतिविधियों का अवलोकन कर आकलन हेतु आकड़े
	स्फूर्तिदायक क्रियाएँ, (गतिविधि - शेर जी-शेर जी, अंदर कूदो बहार कूदो, रुमाल झपट्टा, प्यारी पूसी) टीप – शिक्षक बच्चों की रूचि एवं स्थानीय सामग्री की उपलब्धता के आधार पर अन्य गतिविधि करवा सकते है					
उछल-कूद एवं मुक्त खेल 30 मिनट	खेल में सहभागिता – खेल कोना, भाषा कोना, रचनात्मक कोना, संख्यात्मक एवं पर्यावरण कोना	अलग-अलग जानवरों का नाम जोड़ते हुए कविता की गतिविधि	Let's play	कऊँआँ बोलिस काँव-काँव, पक्षियों की आवाज निकालना	कंचा/सिक्का डालो खेल, मोती पिरोना	
संख्यात्मक, पर्यावरण जागरूकता और वैज्ञानिक सोच (शिक्षक की पल पर) 30-35 मिनट	दृष्टि बोध पेंसिल फिराओ और रंग भरो, घटना का क्रम बताओ आदि कार्य	ध्वनि जागरूकता की गतिविधियां	स्पर्श की अनुभूति- कौन खुरदुरा कौन चिकना गतिविधि, ठंडा-गरम/नरम-कठोर संबंधी कार्य	गंध की अनुभूति- प्याज, लहसुन, धनियाँ की गंध आदि सब्जियों के साथ एवं फूलों की गंध आदि की जाँच गतिविधि करें	स्वाद की अनुभूति- स्वाद को जाने एवं आओ कविता दुहराएँ	
रचनात्मक और सौंदर्य विकास/खेल कूद का विकास एवं कला गतिविधियाँ 30-35 मिनट	कागज से नाव, हवाई जहाज, कागज के फूल (पेपर क्राफ्ट), देखो और पूरा करो	पत्ती और अँगूठे का पैटर्न	आकृति में Wrappers के टुकड़े चिपकाना	नमूने एकत्र करना एवं उनसे विभिन्न आकृतियाँ बनाना	मिट्टी के खिलौने बनाना, चित्र उकेरना	
भोजन अवकाश 30 मिनट						
भाषा और साक्षरता कौशल (शिक्षक ने बड़े समूह की शुरुआत की) 30-35 मिनट	चित्रों पर बातचीत, मेले की सैर और कविता कहानी का उपयोग	बाग एवं बगीचों की सैर, स्कूल परिवेश का भ्रमण, खेत की सैर	हाव-भाव के साथ गीत, भावो को पहचानकर मिलन करो गतिविधि, परिवेश में उपलब्ध आकृतियों पर बातचीत	एक जैसे ध्वनि वाले वर्णों पर गोला लगाना, पेंसिल फिराओ	भाषा का अर्थ पूर्ण उपयोग- वर्णों को जोंडकर पढ़ों और लिखो, समान आकृतियों को मिलाओ, चित्र देखकर लिखो	
कक्षा के बाहर के खेल (शारीरिक खेल) 30-35 मिनट	रस्सा खींच, खो-खो, मैदान में दौड़ना, कूदना	चम्मच दौड़, जलेबी दौड़ आदि	झुला झुलना, कुर्सी दौड़, लुका छुपी	नदी पहाड़, रस्सी कूद, चक्का फेक, रिंग फेक	रिले रेस एवं दौड़ से संबंधित खेल	
अलविदा समय 30-35 मिनट	• शिक्षक को बच्चों को अगले दिवस की गतिविधियों के लिए तैयार करना चाहिए। • शिक्षक को बच्चों से उस दिन की गई गतिविधियों को फिर से याद करने में मदद करनी चाहिए। • स्व-नियमन की जानकारी दी जानी चाहिए जैसे- क़तार में खड़े हो जाओ, निश्चित दुरी में खड़े हो, घेरा बनाओ आदि। • बच्चों ने उस दिन क्या किया? उसे माता-पिता (अभिभावक) के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।					

टीप: अभ्यास पुस्तक में दिए गए अभ्यास को संबंधित कालखंड में करवाएँ। अर्थात् लक्ष्य-I और III के अभ्यास पत्रकों पर भोजन अवकाश के पूर्व तथा लक्ष्य-II के अभ्यास पत्रकों पर भोजन अवकाश के बाद वाले सत्र में कार्य करवाएँ।

समावेशी शिक्षा

यह एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था है, जिसमें सभी तरह के बच्चों (दिव्यांग, सामान्य, प्रतिभाशाली) को नियमित स्कूल में शिक्षा दी जाती है। जहाँ विशिष्ट बच्चों, विभिन्न क्षमता वाले बच्चों का सामान्य बच्चों के साथ एक ही कक्षा में शिक्षा प्रदान की जाए। धर्म, जाति, लिंग समाज परिवार आदि के आधार पर बिना भेदभाव के एक ही कक्षा में शिक्षा देना समावेशी शिक्षा कहलाता है।

समावेशी शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से समावेशी शिक्षा सभी बच्चों के लिए एक ऐसा अवसर प्रदान करता है, जिसमें दिव्यांग बालक-बालिकाओं एवं सामान्य बालक-बालिकाओं के साथ मानसिक रूप से प्रगति प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

दिव्यांग बच्चों की जरूरतों को पूरा करें-

- उन्हें अपने स्तर पर सभी गतिविधियों में शामिल करें, ताकि वे स्वयं को योग्य महसूस कर सकें।
- बच्चों को स्वेच्छा से उनकी मदद करने के लिए संवेदनशील बनाएँ, न कि दया की भावना या इसे बोझ महसूस करने के लिए।
- उन्हें अन्य बच्चों के साथ अपने समस्यायों को सुलझाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- कक्षा की समस्याओं को हल करने में उन्हें मंडली के समय का हिस्सा बनाएँ।
- ऐसे बच्चों के माता-पिता को घर पर पालन-पोषण और सहायता के लिए परामर्श देना और उनका मार्गदर्शन करना। उन्हें अपने बच्चे की ताकत की सराहना करने के लिए कहें, इस बारे में बात करें कि घर पर पूरा परिवार कैसे सहयोग कर सकता है?
- ऑटिस्टिक और अतिसक्रिय बच्चों को विशिष्ट देखभाल प्रदान करने के लिए एक विशेषज्ञ शिक्षक की मदद लें। शिक्षक को उसके बारे में पता होना चाहिए और विशेषज्ञ द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए।

कक्षा में समावेशी वातावरण का निर्माण कैसे करें-

कक्षा में सामान्य व विशेष छात्रों में भेदभाव न हो। दिव्यांग छात्रों की सहायता उनके समीप बैठने वाले संगी-साथी करें। अधिगम प्रक्रिया में दोनों प्रकार के छात्र सहभागी हों। दिव्यांग बच्चों के प्रति शिक्षक व सामान्य छात्रों की संवेदनशीलता हो। यदि धीमी गति से सीखने वाले या अधिगम बाधित बच्चों को कोई बात समझ में न आई हो तो शिक्षक उसे बार-बार बताएँ। कक्षा के प्रतिभाशाली छात्र को भी ऐसे बच्चों की सहायता हेतु तैयार करें। शिक्षक दिव्यांग छात्रों को अभिप्रेरणा दें। दिव्यांग बच्चों के मानसिक स्तर के अनुरूप कक्षा शिक्षण हो। ये सब बातें कक्षा में समावेशी वातावरण का निर्माण करती हैं।

अन्य प्रभावी गतिविधियाँ-

- विभिन्न प्रकार के कौशल और कार्य (एक्सपोजर) के संबंध में बच्चों को उन्मुख करना (बढ़ई, दुकानदार, दर्जी, डॉक्टर आदि) गाँव में बच्चों को अपने पास बुला सकते हैं, जिससे बच्चों की विभिन्न जिज्ञासाओं का भी समाधान किया जा सकता है।

- समुदाय आँगनबाड़ी केंद्र की गतिविधियों के महत्व से परिचित हैं, परिणामस्वरूप आँगनबाड़ी केंद्र के सेवाओं की अधिक माँग आती हैं। समुदाय का सहयोग स्कूल रेडीनेस की गतिविधियों में सहभागिता तथा भौतिक संपत्तियों के रखरखाव में भी सहयोग प्रदान करेगा, जिससे समुदाय का केंद्र से जुड़ाव ज्यादा बेहतर तरीके से हो पाएगा।

- प्रभावी सामुदायिक प्रतिभागिता को सुनिश्चित करना, समुदाय का स्कूल की गतितिधियों में सम्मिलित होना आईसीडीएस के घोषित उद्देश्यों में से एक है। पालकों की सहभागिता से स्कूल में पालकों के योगदान संबंधी समस्त उद्देश्यों (देखरेख एवं शिक्षा) की पूर्ति होती है।

- अभिभावकों और सामुदायिक सदस्यों को इस बात की पहचान बनाने में सम्मिलित होने दें, बच्चे के लिए क्या सीखने योग्य है तथा यह निर्णय लेने दें कि इस कार्य को किस प्रकार किया जा सकता है। इससे शिक्षकों को एक कार्य को विविध तरीके से करने के अनेक अवसर भी प्राप्त होंगे। साथ ही शिक्षक व पालकों के बीच बाल मनोविज्ञान की अवधारणा को समझने में भी सरलता होगी।

- समुदाय को अपने बच्चे के विकासपरक और शैक्षिक आवश्यकताओं के बिंदुओं को बैठक के विभिन्न एजेंडों में शमिल करना होगा। जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे बच्चे के विकास हेतु उपयुक्त तरीके ही अपनाएँ।

- अभिभावकों को अपने घर में प्रेरक वातावरण के निर्माण हेतु सक्षम बनाएँ, जिससे कि वे बच्चों का उचित मार्गदर्शन आनंददायी शिक्षा को बढ़ावा देने में कर सकें। बाल मनोविज्ञान को समझने हेतु पालकों को बुलाकर बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियाँ करते हुए कार्य करने की विभिन्न चुनौतियाँ खेल गतिविधि द्वारा की जा सकती है।

- पालकों द्वारा खेल-खेल में घर में भी बच्चों की समस्त जिज्ञासाओं को शांत करना परम आवश्यक है। जिससे कि प्रारंभिक अवस्था में बच्चे के मस्तिस्क का पूर्ण विकास हो सके।

इस प्रकार हम देख सकते हैं कि पालकों का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग हमें स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम में बहुआयामी मदद करता है। बाल मनोविज्ञान को समझते हुए पालकों के सहयोग से हम स्कूल रेडीनेस में बच्चों का उत्तरोत्तर विकास कर सकते हैं।

आकलन

आकलन- सीखने का एक साधन

हमारा उद्देश्य है सभी बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करना और एक निश्चित स्तर तक पहुँचाना। इस संकल्प तक पहुँचने के लिए हम आकलन को सीखने के साधन के रूप में देखते हैं। सिर्फ यह पता लगा लेना या जाँच कर लेना कि कितने बच्चों का शैक्षिक स्तर क्या है, पर्याप्त नहीं है। आकलन के द्वारा बच्चों का सीखना-सिखाना प्रभावी बनाना ही मुख्य उद्देश्य है, अर्थात् आकलन को हम सीखने के उपकरण (learning tool) के रूप में महत्व देते हैं, मात्र बच्चों की उपलब्धि स्तर जानने के उपकरण के रूप में नहीं।

आकलन प्रक्रिया की एक और विशेषता यह है कि हम प्रत्येक बच्चे की प्रगति की तुलना उसकी अपनी पिछली स्थिति से करेंगे दूसरे बच्चों की प्रगति से नहीं। इसका एक कारण है सभी बच्चों के सीखने की गति व समझ विकसित करने का समय एक नहीं होता। कुछ बच्चे जल्दी पढ़ने, समझने व बोलने लगते हैं, पर कठिन अवधारणाएँ समय आने पर ही समझते हैं। कुछ बच्चे जल्दी समझ लेते हैं, पर लिखने के प्रारंभिक दिनों में कठिनाई आती है, परंतु हमें कुछ ही (अर्थात् जल्दी सीखने वाले बच्चों को ही नहीं सिखाना है, वरन प्रत्येक बच्चे को सीखने के लिए प्रेरित करना है। इसके लिए शिक्षक को बच्चों की विभिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए सभी को सीखने के अवसर देने होंगे।

आकलन की आवश्यकता क्यों?

हमारा जोर बच्चों की क्षमताओं का विकास करना है, जैसे भाषा पढ़ने-लिखने, बोलने के कौशल, गणित सीखने के कौशल पर्यावरण की जानकारी प्राप्त करने के कौशल आदि। अब हम एक सीमित जानकारी हासिल करने पर जोर नहीं देते। हमारा उद्देश्य यह देखना नहीं है बच्चों को कोई एक पाठ्यवस्तु अच्छे से याद हो गई या नहीं, बल्कि यह देखना है उस स्तर के कोई भी पाठ्यवस्तु को बच्चे वह समझ लेते हैं या नहीं। जब हमारा उद्देश्य दक्षताओं अथवा कौशल को विकसित करना है तो आकलन भी दक्षताओं का ही करना है, पाठ्यवस्तु का नहीं। सतत आकलन में बच्चों का 'टेस्ट' न लिया जाकर यह बारीकी से देखा जाए कि बच्चे में निर्धारित दक्षता और कौशलों का विकास हुआ है या नहीं? भाषा, गणित या पर्यावरण अध्ययन की अवधारणात्मक समझ विकसित हुई या नहीं। किस स्तर तक दक्षताएँ और अवधारणाएँ विकसित हुई हैं। क्या वह बिल्कुल नहीं समझा, कुछ कुछ समझा या अच्छी तरह समझ गया। हम बच्चों के बदलते व्यवहार, परिपक्व होते दृष्टिकोण का भी आकलन करना चाहते हैं।

आकलन की रूपरेखा

आकलन की योजना की रूपरेखा निम्नानुसार है-

- कक्षा के सभी बच्चों का शिक्षक सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के दौरान, सतत् अवलोकन करें जिससे सतत रूप से सुधारात्मक प्रयास चलते रहे। बच्चों का औपचारिक आकलन होगा, जिसका रिकॉर्ड शिक्षक रखेंगे।
- आकलन गतिविधि-आधारित होगा अर्थात् बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को कराकर उनके शैक्षिक स्तर की जानकारी ली जाएगी।
- एक बार में सभी बच्चों को ध्यान से देखना और आकलन कर सुधार की दृष्टि से बारीकियों को नोट करना कठिन होगा, इसलिए शिक्षक को यह सलाह है कि एक बार में 5-6 बच्चों पर ध्यान केंद्रित करें। आकलन बच्चों को टोलियो में बिठाकर या पृथक-पृथक किया जा सकेगा।
- आकलन रिकार्ड करने के लिए प्रत्येक कक्षा के लिए शिक्षक एक आकलन रजिस्टर बनाएँगे।
- आकलन की टीप स्पष्ट सटीक और विश्लेषणात्मक होगी, जिससे बच्चों को सिखाने के प्रयासों के लिए उनका उपयोग हो सके। प्रत्येक चरण में सभी बच्चों के आकलन के बाद सुधार की दृष्टि से आकलन प्रपत्र में से महत्वपूर्ण जानकारी निकाली जाएगी, जैसे- इस बच्चे को सीखने में कौन सी कठिनाई आ रही है।
- आकलन से प्राप्त जानकारी के आधार पर बच्चों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए पहले से अधिक प्रभावी योजना बनाई जाएगी।

आकलन कैसे करें?

आकलन करने का तरीका क्या हो? अर्थात् हम बच्चों को कैसे समझें, कैसे जानें कि उन्होंने क्या सीखा क्या नहीं? कैसे पता करें कि सीखने में कठिनाई कहाँ आ रही है और कैसे मुख्य बातों को रिकार्ड करें? और सबसे महत्वपूर्ण यह कि इन सब के आधार पर सीखने के बेहतर अवसर कैसे दें? उपरोक्त बिंदुओं पर स्पष्टता लाने की आवश्यकता है।

आकलन के दौरान हम कक्षा में ऐसी आनंददायी परिस्थितियाँ उत्पन्न करना चाहते हैं कि बच्चों को परीक्षा या मूल्यांकन का भय न हो। यह खासतौर पर प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए आवश्यक है। शिक्षक जो भी परीक्षण करें सामान्य परिस्थितियों में ही करें। आकलन के दौरान किसी प्रकार का मानसिक तनाव न हो। मानसिक तनाव में हम सब और विशेष रूप से बच्चे जाने हुए दक्षता भी भूल से जाते हैं। अंत में परीक्षा हमारी दक्षता की नहीं, हमारी तनाव सहन करने की शक्ति की ही होती है। अपने आकलन में शाला का वातावरण पुर्णतः भयमुक्त रखें। आपको बच्चों का अवलोकन करना है, उन्हें डराना नहीं है। वातावरण जितना सहज और भय मुक्त होगा, उतनी ही अच्छी तरह से बच्चों की यथास्थिति का पता चल पाएगा।

आकलन कब करें?

पहले चरण का आकलन जुलाई के अंतिम सप्ताह तक, दूसरे चरण का आकलन अगस्त के अंतिम सप्ताह तक, तीसरे चरण का आकलन सितम्बर के अंतिम सप्ताह तक, हर चरण के अंतिम सप्ताह

में हम आकलन की दृष्टि से गतिविधियाँ कराएँगे। वैसे तो सामान्य शिक्षण के दौरान कराई गई गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षक अपने बच्चों को पहचानते व परखते जाएँगे ही, परंतु इन आकलन के दिनों में शिक्षकों को बच्चों को बारीकी से देखना व समझना होगा और फिर रिकार्ड करते जाना होगा।

आकलन प्रोत्साहन का एक अवसर

हमारी शिक्षण प्रक्रिया कुछ ऐसी रही है कि हम बच्चों को टोकते और डाँटते अधिक हैं, शाबाशी कम देते हैं। यही प्रवृत्ति हमारी मूल्यांकन व परीक्षा प्रणाली में समाहित है। बच्चों को डराना और उनकी गलतियाँ ढूँढना। सीखने-सिखाने की इस शिक्षण प्रणाली में इस प्रवृत्ति का कोई स्थान नहीं है। आकलन से भी इसे बाहर निकाल फेंकें। आकलन के समय बच्चों को डराएँ नहीं। जो वे कर पाते हैं, उसके लिए उन्हें शाबाशी दें। जो नहीं कर पाते, उन दक्षताओं को चुपके से नोट कर लें और आगे की योजना बनाएँ।

आकलन के तरीके (Assessment Measures)

अवलोकन (Observations)- बच्चों का अवलोकन विशिष्ट स्थिति में उनके व्यक्तित्व आयामों और सीखने की प्रक्रिया को समझने के लिए ।

उपाख्यानात्मक अभिलेखों के नोट्स (Anecdotal records)- इस्तेमाल की गई भाषा, सामाजिक संबंधों, बातचीत के तरीकों आदि के संदर्भ में बच्चों पर आधारित संक्षिप्त लिखित अवलोकन।

पोर्टफोलियो (Portfolios)- पेंटिंग, कला शिल्प कार्य, कोलाज बनाने आदि जैसे प्रत्येक बच्चे के ठोस कार्य नमूने का संग्रह।

चेक लिस्ट (Checklist)- विभिन्न विकासात्मक क्षेत्रों में बच्चों के सीखने के परिणामों व्यवहारों और लक्षणों की सूची।

दर्जा पैमाना (Rating scale)- कार्यों और कौशल स्तरों में प्रदर्शन का आकलन।

फोटो तथा वीडियो क्लिप (Photographs and video clips)- बच्चों के प्रदर्शन की दृश्य और ऑडियो रिकॉर्डिंग उनके व्यक्तित्व आयामों और सीखने की प्रक्रिया के बारे में और समझने में मदद करने के लिए ।

बच्चों की प्रगति का आकलन :   मुख्य बातें

- प्रत्येक बच्चों के पोर्टफोलियो का विकास करें। इससे शिक्षकों को प्रत्येक बच्चों की प्रगति को खोजने और रिकॉर्ड करने में मदद मिलेगी।
- बच्चों का निरीक्षण करें क्योंकि वह विभिन्न सीखने के अनुभव में संलग्न है।
- सीखने में बच्चों का अवलोकन करते समय उद्देश्यों के बारे में स्पष्टता सुनिश्चित करें ।
- एक समय में बच्चों के छोटे समूहों को देखने पर ध्यान दें ।
- जो देखा गया है उसके लिए उपाख्यान लिखें।
- संदर्भ बिंदु के रूप में पिछले सत्र को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बच्चे की प्रगति का आकलन करें। अन्य बच्चों से तुलना न करें।
- तीसरे आकलन के पूरा होने के बाद प्रत्येक बच्चे की मदद करने के लिए उसका समेकित रिकॉर्ड रखें।
- सीखने के अनुभवों की योजना बनाना और माता-पिता के साथ साझा करना ।

याद रखें

================

बच्चे प्रशंसा से सबसे अच्छा सीखते हैं, आलोचना से नहीं,

किसी भी बच्चे को पास या फेल का लेबल न दें।

परिशिष्ट

मासिक आकलन प्रपत्र
(बच्चों के स्कूल के लिए तैयारी का परीक्षण)

आकलन

उद्देश्य

स्कूल कार्यक्रम में रूचि विकसित करना और बच्चों को स्कूल के माहौल और सीखने में समायोजन करने में मदद करना।

पहला महीना

नाम- ...., पिता का नाम- ....
वजन.., ऊँचाई- ....

व्यक्तिगत स्वच्छता-

कपड़े-(स्वच्छ/अस्वच्छ)................................, नाखून-(स्वच्छ/अस्वच्छ)................................,
दाँत-(स्वच्छ/अस्वच्छ)..................................., कान-(स्वच्छ/अस्वच्छ)................................,
बाल-(स्वच्छ/अस्वच्छ)................................., नाक-(स्वच्छ/अस्वच्छ)................................,

समायोजन एवं दिनचर्या	कभी नहीं	कभी-कभी	प्रतिदिन
1. खुशी से स्कूल आता है।	☐	☐	☐
2. अपने और साथियों के सामान की देखभाल करता है।	☐	☐	☐
3. अन्य व्यक्ति, शिक्षक और बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार रखता है।	☐	☐	☐
4. अपनी सामग्री अन्य बच्चों से साझा करता है।	☐	☐	☐
5. कार्य में अपनी बारी का इंतजार करता है।	☐	☐	☐
6. गतिविधि के दौरान सक्रिय रहता है और पहल करता है।	☐	☐	☐
7. खेल एवं प्रतिस्पर्धा के नियमों का पालन करता है।	☐	☐	☐
8. सरल निर्देशों का पालन करता है।	☐	☐	☐
खेल गतिविधि में भागीदारी	**सहायता से करता है**	**कठिनाई से करता है**	**सरलता से करता है**
1. शरीर को संतुलित रखता है। (आड़े-तिरछे अथवा गोल रास्ते पर चलते हुए)	☐	☐	☐
2. धीमी और तेज गति से दौड़ता है।	☐	☐	☐
3. दोनों हाथों से गेंद को पकड़ता और फेंकता है।	☐	☐	☐
सूक्ष्म मांसपेशीय एवं गत्यात्मक तथा सृजनात्मक कला गतिविधि में भागीदारी	**सहायता से करता है**	**कठिनाई से करता है**	**सरलता से करता है**
1. रंग और क्रम के अनुसार मोतियों की माला बनाता है।	☐	☐	☐
2. स्वतंत्र चित्रकारी कर सकता है।	☐	☐	☐
3. फाड़ने और चिपकाने की प्रक्रिया कर पाता है।	☐	☐	☐
4. गीली मिट्टी या आटे से वस्तु बना लेता है।	☐	☐	☐

गणितीय कौशल और पर्यावरण के प्रति जागरूकता	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. पर्यावरणीय तत्वों के बारे में पता लगाने की उत्सुकता दिखाता है।			
2. इन्द्रियों (स्पर्श, गंध, स्वाद, दृष्टि, श्रवण) का उपयोग करके वस्तुओं की पहचान करता है।			
3. आकार,आकृति,रंग में से किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं को अलग करता है।			
4. दो चित्रों की तुलना कर अंतर ढूँढ पाता है।			
5. मूल रंगों के नाम और प्रकार के आधार पर वस्तु को छाँट सकता है।			
6. किसी वस्तु के पूरे और आधे भाग की समझ रखता है।			
मौखिक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. अन्य व्यक्ति अथवा बच्चों से स्वतंत्रतापूर्वक बातचीत करता है।			
2. बोलकर या इशारे से अपनी भावनाओं को व्यक्त करता है और रूचि प्रदर्शित करता है।			
3. पूर्ण वाक्यों में स्पष्ट बोल पाता है।			
आकस्मिक पठन कौशल	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. चित्र, पुस्तक एवं मुद्रित सामग्री में संबंध स्थापित कर पाता है।			
2. कहानी एवं कविताओं को ध्यानपूर्वक सुनता है।			
3. वस्तु के चित्र को देखकर नाम बता पाता है।			
4. वाक्यों में पढ़े हुए शब्द को पहचान पाता है।			
5. तुकबंदी वाले शब्दों की समझ रखता है।			
आकस्मिक लेखन कौशल			
1. पेंसिल/पेन/क्रेयान सही तरीके से पकड़ता है।			
2. बालू या हवा में उंगलियों से लिख पाता है।			
3. अपने विचार, परिस्थिति आदि को चित्रित कर पाता है।			

भाषायी दोष यदि कोई हो तो हाँ नहीं

उपस्थिति नियमित हाँ नहीं

समयबद्धता हाँ नहीं

बच्चे की विशिष्ट रूचि एवं प्रतिभा ....

सामान्य विशेषता-..

....

कक्षा शिक्षक का हस्ताक्षर एवं दिनांक-

पालक का हस्ताक्षर-

प्रधानपाठक का हस्ताक्षर-

दूसरा महीना

नाम- ...., पिता का नाम- ....

वजन.., ऊँचाई- ....

व्यक्तिगत स्वच्छता-

कपड़े-(स्वच्छ/अस्वच्छ)..............................., नाखून-(स्वच्छ/अस्वच्छ)...............................,

दाँत-(स्वच्छ/अस्वच्छ)................................, कान-(स्वच्छ/अस्वच्छ)...............................,

बाल-(स्वच्छ/अस्वच्छ)..............................., नाक-(स्वच्छ/अस्वच्छ)...............................,

समायोजन एवं दिनचर्या	कभी नहीं	कभी-कभी	प्रतिदिन
1. समूह गतिविधियों में उत्साह के साथ भाग लेता है।	☐	☐	☐
2. गतिविधियों के दौरान पहल करता है।	☐	☐	☐
3. दूसरों की भावनाओं, कहानी अथवा चित्रों की भावनाओं को समझ पाता है।	☐	☐	☐
4. अन्य के साथ सामाजिक संबंध निभाता है।	☐	☐	☐
5. खेल की नियमों का पालन करता है।	☐	☐	☐
6. कक्षा व्यवहार और दिनचर्या के नियम का पालन करता है।	☐	☐	☐
7. संयुक्त निर्देशों का पालन करता है।	☐	☐	☐
8. कक्षागत जिम्मेदारियों और गतिविधियों का स्वतंत्रतापूर्वक निर्वहन करता है।	☐	☐	☐
9. पूरे ध्यान से कार्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता दर्शाता है।	☐	☐	☐
खेल गतिविधि में भागीदारी	**सहायता से करता है**	**कठिनाई से करता है**	**सरलता से करता है**
1. पूर्व निर्धारित दिशा में गेंद फेंक पाता है।	☐	☐	☐
2. कम दूरी से फेंकी गई गेंद को पकड़ पाता है।	☐	☐	☐
3. बालू और पानी के खेल गतिविधि में स्वयं को शामिल करता है।	☐	☐	☐
4. पूर्व निर्धारित दिशा में फुटबॉल को पैर की सहायता से मार पाता है।	☐	☐	☐
5. योग, शारीरिक व्यायाम एवं नृत्य में शारीरिक चपलता दर्शाता है।	☐	☐	☐
6. आगे और पीछे की ओर फुदक सकता है।	☐	☐	☐
सूक्ष्म मांसपेशीय एवं गत्यात्मक तथा सृजनात्मक कला गतिविधि में भागीदारी	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. कागज मोड़कर सामग्री बना पाता है।	☐	☐	☐
2. कागज फाड़कर चिपका पाता है।	☐	☐	☐
3. चित्र की बारिकियों को बना पाता है।	☐	☐	☐
4. छोटे स्थानों में रंग भर पाता है।	☐	☐	☐
5. मोटे ब्रश से रंग भर पाता है।	☐	☐	☐
6. विभिन्न वस्तुओं के साथ मुद्रण (थंब प्रिंटिंग) कर पाता है।	☐	☐	☐
7. गीली मिट्टी या आटे से आकृति बना पाता है।	☐	☐	☐

गणितीय कौशल और पर्यावरण के प्रति जागरूकता	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. सामान्य प्राकृतिक घटनाओं को समझता है और व्यक्त कर पाता है।			
2. एक से अधिक विशेषता (आकार,आकृति,रंग) के आधार पर वस्तु छाँट पाता है।			
3. ऊँचाई और लंबाई के क्रम में वस्तुओं को रखता है।			
4. पैटर्न को समझता है और पूरा करता है।			
5. आकृति के नाम बता पाता है (वृत्त, तिकोन, चौकोर)			
6. दो से चार बाधाओं के साथ पहेली को हल करता है।			
7. वस्तु के गायब भाग अथवा गलतियों को ढूँढता है यदि छुपा दिया गया हो।			
8. सरल अमानक मात्रक (बित्ता, अंगुल, हाथ) से स्वयं ही माप कर पाता है।			
9. छोटा, ऊँचा, बड़ा, हल्का-भारी जैसे शब्दों का उपयोग करता है।			
मौखिक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. सुनकर के छोटे शब्दों को बोल पाता है।			
2. देखे गए किसी घटना को छोटे वाक्यों में वर्णन कर पाता है।			
3. मिश्रण में से अक्षर को पहचान पाता है।			
4. सामान्य शब्द के प्रथम और अंतिम ध्वनि को अलग कर पाता है।			
5. रचनात्मक उत्तर या अभिव्यक्ति देता है।			
आकस्मिक पठन कौशल	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. अक्षर-ध्वनि संबंध को पहचान पाता है।			
2. शब्द को पढ़ने का प्रयास करता है।			
3. मुद्रित सामग्री के पठन का अभिनय करता है। जैसे बाँए से दाँए, ऊपर से नीचे की ओर पढ़ना।			
आकस्मिक लेखन कौशल	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. लेखन या चित्रण टूल्स को अच्छे से पकड़ता है।			
2. लेखन टूल (पेन, पेंसिल, क्रेऑन) का सही तरीके से उपयोग करता है।			
3. किसी सरल चित्र को देखकर चित्र बना पाता है।			

भाषायी दोष यदि कोई हो तो हाँ नहीं

उपस्थिति नियमित हाँ नहीं

समयबद्धता हाँ नहीं

बच्चे की विशिष्ट रूचि एवं प्रतिभा ....

सामान्य विशेषता-..

....

कक्षा शिक्षक का हस्ताक्षर एवं दिनांक-

पालक का हस्ताक्षर-

प्रधानपाठक का हस्ताक्षर-

तीसरा महीना

नाम- ...., पिता का नाम- ....

वजन.., ऊँचाई- ....

व्यक्तिगत स्वच्छता-

कपड़े-(स्वच्छ/अस्वच्छ)..............................., नाखून-(स्वच्छ/अस्वच्छ)...............................,

दाँत-(स्वच्छ/अस्वच्छ)................................., कान-(स्वच्छ/अस्वच्छ)...............................,

बाल-(स्वच्छ/अस्वच्छ)..............................., नाक-(स्वच्छ/अस्वच्छ)...............................,

समायोजन एवं दिनचर्या	कभी नहीं	कभी-कभी	प्रतिदिन
1. अच्छे एवं बुरे स्पर्श की समझ रखता है।			
2 अन्य के साथ सामाजिक संबंध बनाने का प्रयास करता है।			
3. गतिविधियों में भागीदारी निभाता है।			
4. किसी समस्या का समाधान सुझाता है और सामंजस्य बना पाता है।			
5. सही और गलत का फर्क समझता है।			
6. बच्चों के झगड़े सुलझाने के लिए बातचीत करता है।			
7. विद्यालय में शिक्षक, बच्चों या अन्य व्यक्ति की मदद करता है।			
8. बच्चों, दिव्यांग बच्चों की आवश्यकता का ध्यान रखता है और दूसरों की भावनाओं के लिए संवेदनशीलता दिखाता है।			
9. समूह और मित्रमंडली के बीच अपनी वस्तुओं को बाँटकर बंधुत्व दिखाता है।			
10. संयुक्त निर्देशों का पालन करता है।			

खेल गतिविधि में भागीदारी	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. गेंद को किसी लक्ष्य तक फेंक पाता है।			
2. फुदकने के दौड़ में शामिल होता है।			
3. आत्मविश्वास के साथ सीढ़ी या रस्सी में चढ़ पाता है।			
4. खेल, नृत्य एवं योग की गतिविधियों में भाग लेता है।			
सूक्ष्म मांसपेशीय एवं गत्यात्मक तथा सृजनात्मक कला गतिविधि में भागीदारी			
1. कैंची की सहायता से चित्र काटकर चिपका पाता है।			
2. उंगली की मदद से मुद्रण (थंब प्रिंटिंग) कर पाता है।			
3. बिंदु मिलान करके चित्र बनाकर रंग भर पाता है।			
4. चित्र कोलॉज बनाता है।			
5. धागे और मोती की सहायता से विभिन्न पैटर्न बना पाता है।			

गणितीय कौशल और पर्यावरण के प्रति जागरूकता	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. सामान्य प्राकृतिक घटनाओं को समझता है और वर्णन करता है।			
2. पूछने पर 1 से 10 को क्रम से बताता है।			
3. 1 से 10 के बढ़ते क्रम की समझ दर्शाता है।			
4. किसी भी अंक से शुरू करके 10 तक गिन पाता है।			
5. समूह के वस्तुओं की मात्रा को कम-ज्यादा के रूप में बता पाता है।			
6. ठोस वस्तुएँ जैसे बटन, बीज आदि को रखते हुए अंकों का आकार बना पाता है।			
7. 1 से 10 तक की अंकों को लिख पाता है।			
8. पैटर्न को बढ़ाता है और नए पैटर्न बनाता है।			
9. जटिल पहेली या भूल-भूलैया को हल कर लेता है।			
10. वस्तु एवं घटनाओं को क्रम से सोचता है और अभिव्यक्त करता है।			
मौखिक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. सुनकर के जवाब देता है या विस्तार करता है।			
2. सुनी हुई कहानी को पूर्ण वाक्यों का उपयोग करते हुए वर्णन करता है।			
3. सार्थक बातचीत में हिस्सा लेता है।			
4. शब्द के शुरूआती, मध्य और अंतिम ध्वनि का पहचान करता है।			
5. अक्षरों को जोड़कर अथवा हटाकर नए शब्द बना पाता है।			
6. रचनात्मक प्रश्न पूछता है अथवा उत्तर देता है।			
आकस्मिक पठन कौशल	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. मुद्रित सामग्री में विराम चिह्न जैसे- पूर्ण विराम, अल्प विराम को पहचान पाता है।			
2. सामान्य पाठ को स्वतंत्रता पूर्वक पूर्ण वाक्यों में पढ़ता है।			
3. सुनी गई कहानी को प्रारंभिक, मध्य और अंतिम घटनाओं के क्रम में सुना पाता है।			
4. पुस्तकों के समूह या पुस्तक कार्नर में से पुस्तक चुन पाता है।			
5. चित्र और सार्थक शब्दों को विस्तारित कर पाता है।			
आकस्मिक लेखन कौशल	सहायता से करता है	कठिनाई से करता है	सरलता से करता है
1. अपने विचारों को शब्द या चित्र के माध्यम से व्यक्त करने का प्रयास करता है।			
2. अक्षरों और अंकों को लिखने का प्रयास करता है।			
3. चित्र में टूल्स के उपयोग करते हुए सार्थक संदेश देने का प्रयास करता है।			

भाषायी दोष यदि कोई हो तो हाँ नहीं

उपस्थिति नियमित हाँ नहीं

समयबद्धता हाँ नहीं

बच्चे की विशिष्ट रूचि एवं प्रतिभा ....

सामान्य विशेषता-..

....

कक्षा शिक्षक का हस्ताक्षर एवं दिनांक-

पालक का हस्ताक्षर-

प्रधानपाठक का हस्ताक्षर-

छत्तीसगढ़ शासन

सत्यमेव जयते

शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर